न्यूज डायरी

अफगान राजदूत की बेटी के अपहरण पर भारत ने लगाई लताड़

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अफगानिस्तान के राजदूत की बेटी के अपहरण को फर्जी जांच में हीलाहवाली कर रही इमरान सरकार भारत के बयान से भड़क गई है। भारत ने अफगान राजदूत की बेटी सिलसिला के अपहरण को खारिज किए जाने को बहुत खौफनाक करार दिया था। भारत के इस बयान के बाद पाकिस्तान को तीखी मिर्ची लगी है। पाकिस्तान ने गीदड़भभकी दी है कि भारत उसके खिलाफ कीचड़ उछालना बंद करे। भारतीय प्रवक्ता ने यह भी कहा था कि भारत दो देशों के मामलों में आमतौर टिप्पणी नहीं करता है लेकिन पाकिस्तान के गृहमंत्री ने इस पूरे मामले में भारत का नाम घसीटा है। मैं बस इतना कहना चाहूंगा कि पाकिस्तान का पीड़िता के बयान को न मानना उसके निचले स्तर पर गिर जाने को दर्शाता है। भारत के इस बयान पर पाकिस्तान लाल हो गया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत का बयान अनावश्यक और अवांछित है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी चीन के लिए हुए रवाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाक विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी शुक्रवार को चीन के दौरे पर रवाना हुए। कुछ दिन पहले पाकिस्तान में एक सड़क दुर्घटना में चीनी नागरिकों की मौत हो गई थी। इस घटना से दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट पैदा हो गई थी। पाक विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को जानकारी दी कि कुरैशी चीनी विदेश मंत्री वांग यी के निमंत्रण पर चीन के दो दिवसीय दौरे पर जाने वाले हैं। वो 23 और 24 जुलाई को चीन के दौरे पर होंगे। इस दौरान उनके साथ वरिष्ठ अधिकारी होंगे। मंत्रालय ने बताया कि दो दिवसीय दौरे के दौरान दोनों देश द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा करने पर चर्चा करेंगे। चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीइसी) के तहत उच्च गुणवत्ता वाले विकास सहयोग, कोरोना टीकों, आतंकवाद की रोकथाम और परस्पर हित की क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

बंगाल की खाड़ी में ब्रिटेन और भारत की नौसेना ने दिखाई अपनी ताकत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। चीन से भारी तनाव के बीच भारतीय नौसेना ब्रिटिश एयरक्राफ्ट कैरियर एचएमएस क्वीन एलिजाबेथ के साथ बंगाल की खाड़ी में युद्धाभ्यास कर रही है। दोनों देशों की नौ सेनाओं के बीच यह युद्धाभ्यास तीन दिनों तक चलेगा। इसमें एचएमएस क्वीन एलिजाबेथ के नेतृत्व में ब्रिटेन का कैरियर स्ट्राइक ग्रुप हिस्सा ले रही है। यह द्विपक्षीय अभ्यास दोनों नौसेनाओं की समुद्री क्षेत्र में एक साथ काम करने की क्षमता को बेहतर बनाने के लिए तैयार किया गया है। युद्धाभ्यास के दौरान भारतीय नौसेना और रॉयल नेवी के युद्धपोत, लड़ाकू विमान, पनडुब्बियां और एम्फीबियस शिप ने एक साथ अभ्यास किया। हिंद महासागर में दोनों देशों की सेनाओं से चीन की चिंता बढ़ गई है। भारत–ब्रिटेन के संयुक्त युद्धाभ्यास में 10 जहाज, दो पनडुब्बी, लगभग 20 विमान और करीब 4,000 नौसैनिक भाग ले रहे हैं।

भारतीय–अमेरिकी व्यवसायी कैलिफोर्निया से लड़ेंगी संसदीय चुनाव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। एक भारतीय–अमेरिकी इंजीनियर और उद्यमी ने घोषणा की है कि वह कैलिफोर्निया के एक कांग्रेस सीट वाले जिले से अमेरिकी प्रतिनिधिसभा के लिए चुनाव लड़ेगी। रिवरसाइड में भारतीय अप्रवासी माता–पिता के घर पैदा हुई श्रिना कुरानी नवंबर 2022 में मध्यावधि चुनाव के लिए 15–अवधि के रिपब्लिकन अवलंबी केन कैल्वर्ट को चुनौती देंगी। कुरानी ने कहा, मैं सीए–42 में कांग्रेस के लिए चुनाव लड़ने वाली हूं! यह तथ्य आधारित समाधान और साहसिक कार्रवाई का समय है। एक पहली पीढ़ी के अमेरिकी के रूप में, मेरे परिवार ने यहीं रिवरसाइड में एक सफल पूल आपूर्ति व्यवसाय बनाने के लिए एक साथ काम किया। उन्होंने कहा कि उनके माता–पिता ने वर्षो से एक भी दिन की छुट्टी नहीं ली, लेकिन इन दिनों अक्सर इतनी हलचल भी पर्याप्त नहीं होती है।

तालिबान से जंग की तैयारी में ताजिकिस्तान

युद्धाभ्यास

ताजिकिस्तान ने अफगानिस्तान की सीमा पर 20 हजार अतिरिक्त सैनिकों को तैनात किया है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान राज की बढ़ती आहट के बीच ताजिकिस्तान ने युद्ध की तैयारी को मजबूत करने के लिए देश के इतिहास में सबसे बड़ा युद्धाभ्यास किया है। अफगानिस्तान में तालिबान की बढ़त को देखते हुए ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली राखमोन के आदेश पर सुबह 4 बजे 2,30,000 सदस्यों वाली सेना को अलर्ट किया गया। ताजिकिस्तान ने अफगान सीमा पर 20 हजार अतिरिक्त सैनिकों को तैनात किया है।

एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक सेना के तैयारियों की यह जांच सोवियत संघ से अलग हुए इस देश में करीब 30 साल के इतिहास में सबसे बड़ा है। इस अभ्यास ताजिक सेना ने सभी तरह के हथियारों का परीक्षण किया। इसमें जमीनी सेना, हवाई और तोपखाने के हथियार शामिल हैं। इस पूरे अभ्यास का ताजिकिस्तान के सरकारी टीवी पर प्रसारण भी किया गया। अभ्यास के अंत में सेना ने परेड भी निकाला जिसका नेतृत्व खुद राष्ट्रपति इमोमाली राखमोन ने किया।

हमारी सीमा के पास स्थिति बहुत जटिलः राष्ट्रपति राखमोन ने सेना का आह्वान किया कि वे क्षेत्र की शांति और स्थिरता की रक्षा के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा, हमारे पड़ोसी देश अफगानिस्तान में खासतौर पर उत्तरी इलाके में हमारी सीमा के पास स्थिति बहुत जटिल और अस्थिर हो गया है। राखमोन ने कहा, श्यह दिन–प्रतिदिन तथा प्रत्येक घंटे और ज्यादा जटिल होता जा रहा है। उन्होंने सशस्त्र बलों का आह्वान किया कि वे किसी संभावित खतरे का सामना करने के लिए खुद को तैयार रखें ताकि देश की सीमा की सुरक्षा की जा सके।

राखमोन वर्ष 1994 से सत्ता संभाल रहे हैं और उन्होंने अपने रूसी सहयोगी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से इस संबंध में बात की है। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा है कि दोनों नेताओं ने अफगानिस्तान की स्थिति पर चर्चा की है। उसने कहा कि यह फोन कॉल ताजिकिस्तान की ओर से किया गया था। ताजिकिस्तान ने यह अभ्यास ऐसे समय पर किया है जब रूस ने ऐलान किया है कि वह अगले महीने ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान की सेना के साथ मिलकर अफगान सीमा के पास बड़ा युद्धाभ्यास करेगा।

देश के आधे हिस्से पर अब तालिबान राजः यूएस

इन दिनों तालिबान ने ताजिकिस्तान की सीमा के पास अपने हमले तेज कर दिए हैं। तालिबान का दावा है कि उसने देश के 90 फीसदी इलाकों पर कब्जा कर लिया है लेकिन अमेरिका का मानना है कि देश के आधे हिस्से पर अब तालिबान राज है। तालिबान ने ताजिकिस्तान से लगती मुख्य सीमा चौकी शिर खान बंदर पर कब्जा कर लिया है।

अशरफ गनी के सत्ता छोड़ने तक नहीं होगी शांति

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। तालिबान आतंकवादियों ने ऐलान किया है कि अफगानिस्तान में तब तक शांति स्थापित नहीं हो सकती है जब तक कि देश के राष्ट्रपति अशरफ गनी सत्ता नहीं छोड़ देते हैं। तालिबान ने यह भी कहा कि वह सत्ता पर एकाधिकार नहीं चाहता है। उसने कहा कि गनी के हटने के बाद देश में बातबीच के जरिए नयी सरकार बनाना होगा। तालिबान के प्रवक्ता सुहेल शाहीन ने एक साक्षात्कार में यह बात कही।

सुहैल शाहीन वार्ता दल के सदस्य भी हैं। प्रवक्ता ने कहा कि तालिबान उस वक्त हथियार डाल देगा जब गनी की सरकार चली जाएगी और ऐसी सरकार सत्ता संभालेगी जो संघर्ष में शामिल सभी पक्षों को मंजूर हो। शाहीन ने कहा,'मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि हम सत्ता पर एकाधिकार में विश्वास नहीं रखते क्योंकि कोई भी सरकार, जिसने अतीत में अफगानिस्तान में सत्ता पर एकाधिकार रखने मंशा की, वह सफल सरकार साबित नहीं हुई।'

गनी को युद्ध को उकसाने वाला करार दियाः उन्होंने इस आकलन में प्रत्यक्ष तौर पर तालिबान के खुद के पांच वर्ष के कार्यकाल को भी शामिल किया। साथ ही कहा,'इसलिए हम वही फॉर्मूला दोहराना नहीं चाहते।

दुबई में सोने से बनी मशहूर आइसक्रीम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। दुबई का लाइफस्टाइल कितना हाई–फाई है, यह तो शायद जगजाहिर है, आखिर दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा भी यहीं मौजूद है, लेकिन यहां की एक ऐसी खासियत अब मशहूर हो रही है जिस पर विश्वास करना भी मुश्किल हो सकता है। यहां एक आइसक्रीम का कप मिल रहा है 60 हजार रुपये में। इसका नाम है ब्लैक डायमॅड। दुनिया की इस सबसे महंगी आइसक्रीम को वर्साचे कप में सर्व किया जाता है। ब्लैक डायमॅड आइसक्रीम दुबई के स्कूपी कैफे में 2015 में लॉन्च की गई थी। इसमें ऊपर 23 कैरेट का सोना लगा है और अंदर मैडगास्कर वनीला आइसक्रीम है। साथ में ईरान का केसर और ब्लैक ट्रफल भी मिला गया है।

अमेरिकी वायुसेना ने अफगानिस्तान में बरसाए बम, तबाह किए तालिबान के ठिकाने

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। तालिबान आतंकवादियों के खूनी खेल और देश के आधे से अधिक जिलों पर कब्जा करने के बाद अमेरिका ऐक्शन में आ गया है। अमेरिकी वायुसेना के लड़ाकू विमानों और ड्रोन ने तालिबान के ठिकानों पर रातभर चुन–चुनकर हमले किए हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने इसकी पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि अमेरिकी सेनाओं के वापसी के बाद अमेरिका की ओर से किया गया यह पहला बड़ा हवाई हमला है। अमेरिका ने तालिबान को चेताया था कि अगर हिंसा बंद नहीं हुई तो वह हवाई हमले करेगा।

वाइस ऑफ अमेरिका की रिपोर्ट के मुताबिक इस हमले में उन सैन्य उपकरणों और हथियारों को निशाना बनाया गया जिस पर तालिबान ने कब्जा कर लिया था। तालिबान ने इसे अफगान सेना से छीन लिया था। बताया जा रहा है कि ये हमले कंधार में किए गए हैं जहां पर तालिबान आतंकी लगातार हमले कर रहे हैं। कई लोग यह भी दावा कर रहे हैं कि इस हमले में अमेरिका ने अपने लंबी दूरी के बॉम्बर का भी इस्तेमाल किया है।

अफगानिस्तान के आधे हिस्से पर अब तालिबान का कब्जाः एपी की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने तालिबान छापेमारों से लड़ रहे अफगान सुरक्षा बलों की मदद करने के प्रयास के तौर पर पिछले कई दिनों में अफगानिस्तान में हवाई हमले किए हैं। अफगानिस्तान में अमेरिका के हवाई हमलों की खबरें तब आयी है जब एक दिन पहले अमेरिका के सबसे वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने माना कि तालिबान ने 'रणनीतिक गति' हासिल कर ली है और अफगानिस्तान के 400 से अधिक जिला केंद्रों के करीब आधे हिस्सों पर अब उसका कब्जा है।

सीएनएन की एक खबर के अनुसार, एक रक्षा अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी सेना ने पिछले 30 दिनों में तकरीबन छह या सात हवाई हमले किए, जिनमें ज्यादातर हमले ड्रोन से किए गए।

पेगासस के जिन्न से यूरोपीय देश भी परेशान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेरिस। पेगासस के जरिए खास लोगों की जासूसी का मामला सामने आने के बाद से हर कोई हैरान है। पेगासस के द्वारा जिन लोगों की जासूसी किए जाने की जानकारी सामने आई है उसमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमेन्युल मैक्रॉन का नाम भी शामिल है। इसको देखते हुए उन्होंने बिना देर लगाए अपना नंबर बदल दिया है। इसकी जानकारी राष्ट्रपति कार्यालय की तरफ से दी गई है। राष्ट्रपति कार्यालय की तरफ से इस संबंध में रायटर को बताया गया है कि मैक्रॉन कई फोन का इस्ध्तेमाल करते हैं। इसका अर्थ ये भी नहीं है कि उनकी जासूसी की ही जा रही हो। इसके बाद भी ऐसा अतिरिक्त सुरक्षा के लिए किया गया है। फ्रांस सरकार के प्रवक्ता की तरफ से कहा गया है कि राष्ट्रपति सुरक्षा के लिए भी कुछ और कदम उठाए जा रहे हैं। प्रवक्ध्ता के मुताबिक सरकार ने इसको गंभीरता से लिया है। आपको बता दें कि 19 जुलाई को पहली बार ये बात सामने आई थी कि इजरायली कंपनी स्पाइवेयर पेगासस के जरिए कई लोगों की जासूसी की जा रही है।